Regarding jute mill in Katihar

श्री तारिक अनवर **(**कटिहार**) :** महोदया, मैं आपके और इस सदन के माध्यम से केन्द्र सरकार का ध्यान अपने संसदीय क्षेत्र कटिहार की ओर आकर्षित करना चाहता हूं । मेरा संसदीय क्षेत्र कटिहार कभी जूट नगरी के रूप में विख्यात था । जहां आरबीएचएम जूट मिल का संचालन हजारों श्रमिकों के लिए आजीविका का स्रोत थी । यह मिल 53.39 एकड़ भूमि पर स्थापित थी, लेकिन दुर्भाग्यवश वर्ष 2016 में यह मिल बंद कर दी गई है । सूत्रों से यह जानकारी प्राप्त हुई है कि जूट मिल के संबंधित चल संपत्तियों का निष्पादन कर दिया गया है । अब अचल संपत्ति के निपटान हेतु आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं ।

मैं प्रधानमंत्री जी का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहता हूं । जैसा मैंने कहा है कि इस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर जूट की खेती होती है । किसानों का जीवन और जीविका इसी पर निर्भर है । यह हाल सिर्फ कटिहार में नहीं है, बल्कि कटिहार के बगल में जो जिले हैं, जैसे अररिया, किशनगंज, पूर्णिया इत्यादि जिलों में भी जूट की खेती होती है । स्थानीय जूट मिलों के बंद होने के कारण किसान अपना कच्चा माल अन्य राज्यों में नहीं भेज पा रहे हैं ।?(व्यवधान)